



किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो: 9891706853

दैनिक समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, पंजाब बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड असम से प्रसारित

TITLE CODE : UPHIN49919



वर्ष: 01 अंक: 323 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) शुक्रवार 02 सितंबर 2022 <http://samajjagran.in> पेज: 12 मूल्य 05 रुपया

शासकीय आयोजन: जिलाधिकारी ने किया राष्ट्रीय पोषण माह का जनपद में शुभारम्भ बाल विकास पुष्टाहर विभाग द्वारा सितंबर माह में होगा यह कार्यक्रम

शशिकांत ओड्डा ब्लूरो चीफ, दैनिक समाज जागरण

बलिया : जिलाधिकारी बलिया द्वारा विकास भवन में पोषण माह सितंबर 2022 का शुभारम्भ किया गया। जिलाधिकारी ने हरी झड़ी दिखाकर शुरूआत की।

माह सितंबर, 2022 को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में ग्रामीण स्तर पर ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में गठित ग्राम पंचायत की विधिन समितियों एवं पोषण चंचायत का गठन करते हुए संचय अधियान के अन्तर्गत चिन्हित सैम एवं गम्भीर अल्पवज्र बच्चों में सुधार लाने, स्वस्थ बालकों का बलिका को पुरुषकृत करने, स्कूलों में पोषण मेले का आयोजन करने, जन अंदोलन के माध्यम से जनसंवेदीकरण करने एवं पोषण अधियान डैशबोर्ड पर उपरोक्त गतिविधियों को दिनांक 1 सितंबर से 30 सितंबर तक आयोजित करने दिन प्रतिदिन अपलोड किया जाएगा। राष्ट्रीय पोषण माह सितंबर 2022 के गतिविधियों को सफलतापूर्वक आयोजित किये जाने हेतु शुभारम्भ के समय श्री प्रवीण कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी, जनपद स्तरीय अधिकारी व कर्तव्येन्स स्थिरान के अधिकारी उपायुक्त मनरेगा, बलिया जिला विकास अधिकारी, बलिया, जिला पंचायत राज अधिकारी परियोजना निदेशक, ग्राम विकास, बलिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी, बलिया, बाल विकास भवियोजना



अधिकारी शहर एवं हनुमनगंज तथा बाल विकास परियोजना शहर की समस्त आंगनबाड़ी कार्यक्रमी उपरिस्थित रहे। जिलाधिकारी महोदय द्वारा पोषण माह सितंबर की लैली को हरी झड़ी दिखाई गयी। जनपद की भाँति जनपद के विकास खण्डों पर बाल विकास परियोजना शहर के अन्तर्गत पोषण माह सितंबर का शुभारम्भ बाल विकास परियोजना अधिकारीयों जनप्रतिनिधियों के सम्बन्ध से कराया गया। राष्ट्रीय पोषण माह सितंबर में आयोजित किये जाने वाले पोषण माह का मुख्य थीम महला और स्वास्थ्य बच्चों एवं शिक्षा पोषण भी, पढ़ाई भी, लौंगिक संवेदनशीलता आधारित पेजल संक्षण एवं प्रबन्धन एवं जनजातीय क्षेत्रों में माहिलाओं एवं बच्चों हेतु परम्परागत खाइ सम्हृदय करते हुये पंचायत स्तर पर पोषण गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा।

लोकसभा चुनाव को लेकर सावधान यात्रा निकाल रहे सुभासपा अध्यक्ष

जुनेद अहमद, दैनिक समाज जागरण

रत्नपुर (बलिया) : सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष औप्रकाश राजभर आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर 75 जिलों में सावधान यात्रा निकाल रहे हैं। इसी क्रम में बृहस्पतिवार को स्थानीय नववृत्तजन नगर पंचायत के बीका भगत के पोखरे पर पहुंचे।



इस दौरान मंच से उन्होंने कहा कि सभी जातियों को जोड़ने के लिए यह यात्रा निकाली जाएगी। जन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी के लोग जब सत्ता में

गायत्री मंदिर भेड़ौरा में मनाया गया ऋषि पंचमी पूजन कार्यक्रम चेयरमैन उत्तम कुमार मिश्र के कराया अपने निवास पर माताओं/बहनों से ऋषि पंचमी पूजन

दैनिक समाज जागरण/

ब्लूरो प्रभाकर गीता विप्राठी

सिंगारी खंडी—नर धन धन सिंगारी भेड़ौरा के अन्तर्गत आगे वाले वार्ड नंबर 04 चेयरमैन उत्तम कुमार मिश्र के निज निवास एवं गायत्री मंदिर के प्रांगण में ऋषि पंचमी ब्रत पूजन कार्यक्रम हुआ जिसमें कोई महिलाएं/माताएं/बहनों को प०००८८८५ कुमार मिश्र ने बेंद्रमत्र उत्तराधरण करते हुए पूजन कराया था ऋषि पंचमी ब्रत पूजन में कदमी स्तरम्, आप्र पल्लव, पंचपल्ल, कलश, यज्ञोपवीत, लाल बस्त, स्फेद बस्त, कुमुक, सिंसूरु, गुड, तुलनी, दूध, पानपत्र, दीपक, लौंग, इलायची, दूर्वा, कपूर, अदि से ऋषि भगवान की प्रतिमा, देवी देवताओं के चित्र पूजन स्थल पर रखा जाता है यह ब्रत जन अंजनी में हुए पापों का दूर करने के लिए वह ब्रत और पूजन किया जाता है यह ब्रत करते हुए सेवा की उत्तम कुमार मिश्र ने बालाया इसमें कुमार और पुरुष दोनों ही इस ब्रत



को कर सकते हैं इस पूजन ब्रत में गीता मिश्र, अरती देवी, मीरा देवी, काजल देवी शिवांगी गुप्ता, दामिनी देवी, रोहिणी गुप्ता, निहारिका, ममता देवी, सरिता देवी, देवी वाला, स्त्रियों के चारी पापों से छुकराया, ऐप्पेक्षा देवी, आरती देवी, ब्रह्मा देवी रोहिणी गुप्ता, चांदनी देवी, वैशाली, महिमा देवी, आरती देवी, चांदनी देवी, रोहिणी गुप्ता, नाश करने वाला है और समस्त तीर्थ यात्रा करते हैं और दोनों से जितना फल मिलता है वह सब केवल ऋषि पंचमी के ब्रत पूजन से मिलता है। कथा के द्वारा आचार्य आदि अनेक महिलाएं/माताएं/बहने इस ऋषि पंचमी पूजन कार्यक्रम में उत्तम कुमार मिश्र ने बालाया इसमें करते हुए सेवा ही संगठन को चरितार्थ किया था।

धूमधाम से मनाया गया पनोरमा ग्रुप का स्थापना दिवस, इको होम्स का हुआ भव्य लांचिंग

दैनिक समाज जागरण

पूर्णिया । विहार को प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कंपनी पनोरमा ग्रुप ने कल अपने सफलतम छह वर्ष पूरे किए जिसके प्रत्यक्ष में ही होम्स पनोरमा, एन एच 31, बांधपास में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम व समान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ गणेश वंदना से किया गया। कार्यक्रम का अतिथि प्रमंडलीय आयुक्त श्री गोरखनाथ, पूर्व महापौर श्रीमती विभा कुमारी, एवं पनोरमा ग्रुप के संस्थापक सह प्रबंध निदेशक श्री संजीव विभा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। मौके पर हजारों लोगों की मौजूदगी में माननीय मुख्य अतिथि के हाथों इको होम्स का भव्य लांचिंग किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय प्रमंडलीय आयुक्त ने कहा कि पनोरमा ग्रुप ने पूर्व के छह वर्षों में सरहनीय कार्य किया है। पूर्णिया को महानगर जैसा दृश्य देने में पनोरमा ग्रुप ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस शुभ



अवसर पर कंपनी ने अपने कर्मचारियों की उनके उपरिविधि हेतु समानित भी किया। मौके पर पनोरमा ग्रुप के प्रबंध निदेशक ने कहा कि आज हमने छह वर्ष का सफलतम सफर पूरा किया है जिसमें हमें कोशी सीमांचल के लोगों का भरपूर स्नेह व विश्वास मिला है जिसके लिए उन्होंने कोशी सीमांचल समेत पूर्वी विहार के लोगों का आभार व्यक्त किया।

ध्वस्त हो चुके टिक्कन टावर की जगह पर बनेगा भव्य मंदिर, रामलला और भोलेनाथ होंगे विराजमान

आरडब्ल्यूए ने मीटिंग कर इस बात पर फैसला लेने की बात कही है और यह कहा है कि सभी सोसाइटी वाली वासियों की भी यही मर्जी है। हालांकि सबसे बड़ी बात है कि अभी तक सुपरटेक के एमरोल्ड टावर का हैंडोवर सोसाइटी को नहीं हुआ है।

उत्तर प्रदेश के नोएडा में बना टिक्कन टावर ध्वस्त हो चुका है। उसके बाद वहां क्या बनाया जाएगा इस बात को लेकर आज (गुरुवार) आरडब्ल्यूए की मीटिंग हुई। मीटिंग में यह फैसला लिया गया है कि वहां पर एक भव्य मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। जहां पर रामलला और भोलेनाथ के साथ अन्य भगवान की मूर्तियों को स्थापित किया जाएगा। साथ ही क्याम्पिंग के लिए एक बड़ा पार्क बनाया जाएगा, जिसमें हरियाली पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

आरडब्ल्यूए ने मीटिंग कर इस बात पर फैसला लेने की बात कही है और यह कहा है कि सभी सोसाइटी वाली वासियों की भी यही मर्जी है। हालांकि सबसे बड़ी बात है कि अभी तक सुपरटेक के एमरोल्ड टावर का हैंडोवर सोसाइटी को नहीं हुआ है। अभी भी मालिकाना हक बिल्डर का है। अगर बिल्डर वहां पर किसी तरीके का कोई कार्ड नहीं करता है तो उसे दो तिहाई सोसाइटी वालों की सहायता लेनी होगी।

आरडब्ल्यूए के लोगों का काना है कि सोसाइटी वाले पूरी तरह से आरडब्ल्यूए के साथ हैं और अगर इस पर पिंपर से कोई कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी तो वह तैयार रहेंगे।

सोसाइटी की तरफ से वहां एक होरे-भरे पार्क और एक भव्य मंदिर के लिए इस प्लांट पर काम दो शिफ्टों में जारी किया जाएगा। इसके बाद जिसका निर्माण करने वाले को साथ-साथ बच्चों को बैठने और टहलने के लिए एक उचित स्थान मिलेगा।

मलबे से क्या बनेगा?
टिक्कन टावर के मलबे के निस्तारण सेक्टर 80 में बने सोसाइटी वालों की वेस्ट प्लांट में क्या होगा? इस पर काम किया जाएगा। इस पर काम किया जाता है और अगर इस पर पिंपर से कोई कार्ड नहीं है तो उसके बाद जिसका निर्माण करने वाले को साथ-साथ बच्चों को बैठने और टहलने के लिए एक उचित स्थान मिलेगा।

विश्व नारियल दिवस

विश्व नारियल दिवस प्रत्येक वर्ष 2 सितंबर को मनाया जाता है। नारियल दिवस के दिन नारियल से बनी विभिन्न वस्तुओं की प्रदर्शनियाँ लगाई जाती



हैं। नारियल एक ऐसा फल है, जिसके प्रत्येक भाग का हम तरह-तरह से उपयोग करते हैं। नारियल दिवस नारियल की मौत को रेखांकित करता है। यह मिल-डैटकर वाह पता लगाने का दिवस है कि किस प्रकार से हम इसे और उपयोग में लासकते हैं। आजकल हमारा देश पालिथीन के कहर से मुजर रहा है, जो सड़ता नहीं है और नालों, रेल पटरियों तथा सड़क के किंवदं गोंगों को गढ़ा एवं प्रदूषित कर देता है। पालिथीन को हादरक हम नारियल की जटा से बने थैलों का उपयोग कर सकते हैं। नारियल हर तरह से हमारे लिए उपयोगी है।

नारियल की उपयोगिता

नारियल की खेती हमारे देश में लगभग एक करोड़ लोगों को रोजाना प्रदान करती है। देश के चार दिशाओं प्रदेश केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में नारियल की सघन खेती की जाती है। देश का 90 प्रतिशत तक नारियल वहीं से प्राप्त किया जाता है। यह नमकीन मिठी में समृद्ध के किनारे उगाया जाता है।

यह नारियल-पानी पौष्टिक एवं स्वास्थ्यवर्द्धक होता है। गर्मी के मौसम में नारियल-पानी पीकर हम अपनी घास बुझाते हैं। जब नारियल पकता है, तो इसमें अंदर से सफेद नारियल का फल प्राप्त होता है। यह पूरा में काम आता है। सफेद नारियल हम कच्चा भी खाते हैं, मिटाई और कई पकवान बनाने में भी इसेमाल करते हैं। नारियल को विभिन्न प्रकार से उपयोग करते हैं और देश के साथ-साथ तुनिया के अन्य देशों में इनका व्यापार भी करते हैं। इससे बनी वस्तुओं के नियांता से हमारे देश के लगभग 470 करोड़ रुपए की राष्ट्रीय आमदारी होती है। नारियल का उपयोग धर्मिक कर्मकांडों में भी किया जाता है। भारत में लिए यह परिवर्त माना गया है। [1]

उत्पादक देश

नारियल का वैज्ञानिक नाम 'कोकस न्यूसिफेरा' है और यह पापा फैलिली से सबध रखता है। दुनिया के मुख्य नारियल उत्पादक देश फेडरेटेड स्टेट्स और एक माझकोनेशिया, फिनी, भारत, इंडोनेशिया, किरिबाटी, मलेशिया, मार्शल आइलैंड, पुरुआ न्यू गिनीया, फिलीपीन्स, समोआ, सोलोवान आइलैंड, श्रीलंका, थाईलैंड, टोंगा, वानूअ, वानूअ, विहाननाम, जमैका और कनिया हैं, जिनमें सबसे ज्यादा नारियल उत्पादन इंडोनेशिया, फिलीपीन्स, भारत, ब्राजील और श्रीलंका में होता है। विश्व नारियल दिवस मनाने का उद्देश्य नारियल को उद्योगों के लिए कच्चे माल के रूप उपयोग किए जाने को प्रोत्साहन देना और इसके उपयोग के लिए जागरूकता फैलाना है। इससे उद्योगों और नारियल उत्पादक किसानों को फायदा होगा।

टी. के. माधवन

टी. के. माधवन (जन्म- 2 सितम्बर, 1885, कार्थिकपल्ली, जिला अलापुड़ा, केरल; मृत्यु- 27 अप्रैल, 1930) केरल के प्रसिद्ध समाज-सुधारक एवं पत्रकार थे। उन्होंने बहुत सी कुरितियों के खिलाफ ऑडिलन किए थे।

परिचय

टी. के. माधवन का जन्म मध्य त्रावनकोर (कार्थिकपल्ली, जिला अलापुड़ा, केरल) में 1885 ई. में हुआ था। उनके पिता के सवन चन्नर थे। उनकी औपचारिक शिक्षा अधिक नहीं हो पाई, पर अपने अध्यवसाय से उन्होंने मलयालम के साथ-साथ अंग्रेजी और संस्कृत का भी अच्छा ज्ञान प्राप्त कर लिया था। वह केरल के प्रसिद्ध समाज-सुधारक और हरिजन नेता थे। उनके ऊपर दादा भाई नैरोजी, स्वामी विवेकानंद, गांधी जी आदि के विचारों का और ह्यामिदगांधीताह का भी बहुत प्रभाव था। [1]

वायकोम सत्याग्रह
वायकोम सत्याग्रह केरल के पिछड़े वर्ग के लोगों का संघर्ष था, जो दक्षिण केरल के एक शहर वायकोम की मंदिर की सड़कों पर चलने का अपना अधिकार स्थापित करने के लिए था। अनुसूचित जाति के लोगों के साथ उन दिनों जिस प्रकार का भेद-भाव किया जाता था, इसका अनुभव माधवन को

बल्यकाल से ही अपनी पाठशाला से हो गया था। इस भेद-भाव को देखकर ही उन्होंने इसे मिटाने के प्रयत्न में अपना जीवन लगाने का निश्चय किया।

1924 के वायकोम मंदिर सत्याग्रह के नेता के रूप में माधवन को प्रतिष्ठित मिला। हरिजनों के मंदिर प्रवेश को लेकर यह सत्याग्रह 20 महीनों तक चला। इसमें माधवन गिरफ्तार भी किए गये। [1]

गांधीजी से मुलाकात

टी. के. माधवन ने विस्तरित चेतना में गांधी से मुलाकात की और वायकोम की यात्रा करने के लिए उम्मीद मनाया। गांधी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एजेंडे में इस मुद्दे को शामिल करने के लिए सहमत हुए। मार्च 1925 में गांधी जी वायकोम पहुँचे। वे माधवन के साथ ठारे और सत्याग्रह ऑडिलन सफलता के साथ समाप्त हुआ।

पत्रकार

प्रभावशाली वक्ता माधवन पत्रकार भी थे। उन्होंने मलयालम के दो पत्रों का संपादन किया और अनेक पुस्तकों की रचना की।

निधन

टी. के. माधवन का निधन 27 अप्रैल, 1930 को उनके निवास पर हुआ था। उनके समान में चेतीकूलंगरा में एक सारक बनाया गया। 1964 में नारियलगारा में उनके नाम पर टी. के. माधवन मेमोरियल कलेज की स्थापना की गई थी।

संपादकीय

नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) शुक्रवार 02 सितंबर 2022

आर्य धर्म और संस्कृति

मर्यादा पुत्रपोतम श्रीराम

दिव्यधूम

आर्य धर्म और संस्कृति - आर्य धर्म प्राचीन आर्यों का धर्म और श्रेष्ठ धर्म दोनों समझे जाते हैं। प्राचीन आर्यों के धर्म में प्रथमतः प्राकृतिक देवमंडल की कल्पना है जो भारत, ईरान, यूनान, रोम, जर्मनी आदि सभी देशों में पाई जाती है। इसमें द्यौ (आकाश) और पृथ्वी के बीच में अंक देवताओं की सुष्टु हुई है। भारतीय आर्यों का मूल धर्म ऋषिवेद में अधिकृत है, ईशानियों का अवेस्ता में, यूनानियों का उलियोज और ईतियद में। देवमंडल के साथ आर्य कर्मकांड का विकास हुआ जिसमें मंत्र, यज्ञ, श्राद्ध (पितरों की पूजा), अविधिसकार आदि मुख्यतः समिलित थे। आर्य आध्यात्मिक दर्शन (ब्रह्म, आत्मा, विश्व, मोक्ष आदि) और आर्य नीति (सामान्य, विशेष आदि) का विकास भी सामान्य हुआ। शुद्ध नीतिका आधार पर अल्पांतर परंपराविरोधी अवैक्षिक संप्रदायों बोल, जैन आदि-ने भी अपने धर्म को आर्य धर्म अथवा सद्धर्म कहा।

सामाजिक अर्थ में 'आर्य' का प्रयोग पहले संपूर्ण मानव के अर्थ में होता था। कभी-कभी इसका विवेक वायर के लोग में इनमें तरलता थी। एक ही परिवार में कई वर्ष के लोग रहते और परस्पर विवाहित संबंध और भोजन, पान आदि होते थे। क्रमशः वे वर्ष परस्पर वर्जनशील होते रहते हैं। आर्यों का प्राचीनतम सामाजिक व्यवस्था का आधार वर्ष का बनाया और शुद्ध वर्ष का प्रयोग होने लगा। फिर आर्यों ने अपनी सामाजिक व्यवस्था का आधार वर्ष को बनाया और समाज चार वर्षों में वृत्ति और श्रम के आधार पर विभक्त हुआ। ऋषिवेद में देशगत भूमि मिलते हैं।

प्रारंभिक आर्य परिवार पितृसत्तात्मक था, व्यापिय आदित्य (अदिति से उत्पन्न), द्यैत्य (द्यैति से उत्पन्न) आदि विविध वर्षों के अर्थ में संस्कृता का व्यवस्था का उत्पन्न हुआ। आर्यों का प्राचीनतम सामाजिक व्यवस्था की आधारित वर्ष का उत्पन्न हुआ। विविध वर्षों में वृत्ति और श्रम के अधिकतम सामाजिक व्यवस्था का उत्पन्न हुआ। आर्यों का विवाहजन आर्यपरिवार की प्रायः सभी शायांओं में पाए जाते हैं, व्यापिय इनके नामों और सामाजिक विस्तृति में देशगत भूमि मिलते हैं।

बौद्धिक, प्रशासनिक, व्यावसायिक तथा अधिकृत है। मूल व्यापिय आदित्य ज्ञान के सशक्त माध्यम के रूप में कई वर्ष के लोग में इनमें तरलता थी। एक ही परिवार में कई वर्ष के लोग रहते हैं। विविध वर्षों में वृत्ति और श्रम के अधिकतम सामाजिक व्यवस्था का उत्पन्न हुआ। आर्यों का विवाहजन आर्यपरिवार की प्रायः सभी शायांओं में पाए जाते हैं, व्यापिय इनके नामों और सामाजिक विस्तृति में देशगत भूमि मिलते हैं।

विविध वर्षों में वृत्ति और श्रम के अधिकतम सामाजिक व्यवस्था का उत्पन्न हुआ। आर्यों का विवाहजन आर्यपरिवार की प्रायः सभी शायांओं में पाए जाते हैं, व्यापिय इनके नामों और सामाजिक विस्तृति में देशगत भूमि मिलते हैं।

विविध वर्षों में वृत्ति और श्रम के अधिकतम सामाजिक व्यवस्था का उत्पन्न हुआ। आर्यों का विवाहजन आर्यपरिवार की प्रायः सभी शायांओं में पाए जाते हैं, व्यापिय इनके नामों और सामाजिक विस्तृति में देशगत भूमि मिलते हैं।

विविध वर्षों में वृत्ति और श्रम के अधिकतम सामाजिक व्यवस्था का उत्पन्न हुआ। आर्यों का विवाहजन आर्यपरिवार की प्रायः सभी शायांओं में पाए जाते हैं, व्यापिय इनके नामों और सामाजिक विस्तृति में देशगत भूमि मिलते हैं।

विविध वर्षों में वृत्ति और श्रम के अधिकतम सामाजिक व्यवस्था का उत्पन्न हुआ। आर्यों का विवाहजन आर्यपरिवार की प्रायः सभी शायांओं में पाए जाते हैं, व्यापिय इनके नामों और सामाजिक विस्तृति में देशगत भूमि मिलते हैं।

संक्षिप्त न्यूज़

टप्पेबाज महिलाओं को पकड़ने से बचती कुड़ा पुलिस

समाज जागरण अधिकारी तिवारी अमेठी
- जिले में गरीबों को नहीं मिलता न्याय। सिर्फ मुकदमा दर्ज करना बहादुरी समझती है प्रतापगढ़ की खाकी।* पांच दिन पूर्व बैक में पैसा जमा करने पहुंची महिला हुई थी टप्पेबाजी का शिकाया। पीड़ित महिला को दो महिलाओं ने बात में उलझाया और तीसरी महिला ने बैमें चोरा मारक डुड़ा दिए थे पचास हजार स्टेट बैक कुड़ा के अंदर हुई घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद फिर भी टप्पेबाज महिलाओं का गिरावंश पुलिस को पकड़ से दूर। पीड़ित साक्षी देवी का अरोप-कुड़ा पुलिस रोज थाने बुलाकर करती है घटांग इंतजार। बैक जान पर होता है बदलस्कूली पीड़ित गरीब महिला दर र भटकने को भजवूर। पुलिस ने मुकदमा दर्ज मामला ढंडे बस्ते में डाला। बड़ा सवाल? आखिर कब पकड़ में आएगा इन शातिर टप्पेबाज महिलाओं का गिरेह।

60 वर्ष या उससे अधिक के वृद्ध पत्रकार पेशन का लाभ प्राप्त करने हेतु आवश्यक कागजात जमा करें

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 60 वर्ष या उससे अधिक के वृद्ध पत्रकारों को पेशन दिये जाने की अपेक्षा की गयी है। जनपद के 60 वर्ष या उससे अधिक के बृद्ध पत्रकार अपने संस्थान का प्राधिकार पत्र, अनु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति एवं एक फोटो जिला सूचना कार्यालय प्रतापगढ़ में तीन दिवस के अन्दर उपलब्ध करा दें ताकि समय से सूचना निर्देशालय का भेजा सके वह जानकारी जिला सूचना अधिकारी को और से दीपाई है।

कामरियाल L P G सेलेंडर पर 100 रुपए की कमी से। लोग खुश

समाज जागरण अधिकारी तिवारी अमेठी
देश में मध्यांग की मार झेल रही जनता को महीने के पहले दिन बड़ी गहरत मिली। 1 सितंबर को गैस सिलेंडर (LPG cylinders) के दामों में कमी देखने को लगी थी। एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 100 रुपये की भारी कटौती हुई है। हालांकि, दामों में यह कमी सिर्फ कमरियाल सिलेंडर पर हुई है। जबकि 14.2 किलो वाता घरेलू एलपीजी सिलेंडर पुराने दामों पर ही मिल रहा है। 1 सितंबर से दिल्ली में 1 इंचन के 19 किलो के कमरियाल सिलेंडर की कीमतों में 91.50 रुपये, कोलकाता में 100 रुपये, मुंबई में 92.50 रुपये, चेन्नई में 96 रुपये सस्ता मिलेगा। कमरियाल सिलेंडर की कीमतों में हुई कटौती का लाभ लगावा देश के हर कोने में मिलेगा। दिल्ली में आज से 19 किलो के एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1976.50 की जगह 1885 रुपये होगी। वहीं, कोलकाता में अब कोर्पोरेट बैंकर 1995.5 रुपये रह गई है। जबकि पहले 2095 रुपये थीं। मुंबई में सिलेंडर की कीमत 1844 रुपये रह गई है। घरेलू सिलेंडर की कीमत में 6 जुलाई से कोई बदलाव नहीं हुआ है। यानी आपी भी सिलेंडर उसी कीमत पर मिलेगा। ईडेन सिलेंडर की दिल्ली में 1053 रुपये होगी, वहीं, कोलकाता में 1079, मुंबई में 1052, चेन्नई में 1063 रुपये कीमत होगी। गैस कंपनियां महीने के हर 1 तरीके सिलेंडर के दाम तय करती हैं। इससे पहले अपास्त को भी सिलेंडर के दामों में कटौती की गई थी। उस वर्क कमरियाल सिलेंडर के दाम में 36 रुपये कटौती की गई थी। दिल्ली में 1 इंचन के बैंकों के सिलेंडर की कीमत 120.50 पैसे थी, इस कटौती के बाद कीमत 1976.50 रुपये रह गई है।

नशे के काले कारोबारी पर मेहरबान पुलिस।

विश्व नाथ त्रिपाठी समाज जागरण प्रतापगढ़
जनपद के कई थाना क्षेत्रों में मानिकपुर के गांजा टस्कर का जाल फैला होने के कारण युवा पीढ़ी नशे की आदी बनती जा रही है।

पुलिस ने इसे कई बार पकड़ा और जेल भी भेजा। लेकिन कई कटौती कारोबार न होने पर जेल से छुट्टे ही फिर शुरू कर देता है। मादक पदार्थों का काला कारोबार यह पूरे जनपद में काले धंधे को चराता है और पुलिस की मिली भगत से धड़ल्ले से बिक रहा चरस अपास गांज। 50 से 100 रुपये में गांजा और 600 रुपये में खुले अम बिक रहा चरस। नशे की लत बर्बाद कर रही युवा पीढ़ी है। नशे की लत के कारण अपाराधिक के दलवाल में फंस रहे चुवा।

नशे की लत पिला करने एवं युवा आपाराधिक घटनाओं को अंजामदाने लगते हैं जिसके कारण क्षेत्र में लूट, डिनीति, टप्पेबाजी और चोरी की घटनाएं भी बढ़ रही हैं।

*सुनों की मानों तो नशे के सौदागर पुलिस को देते हैं मोटी रकम। सिपाही से लेकर हल्का दरोगा तक सब मैनेज हो जाते हैं वहीं पुलिस ऐसे ही अपाराधियों को बढ़ावा देती रही तो समाज में जारीय की अधिकता ही नजर आएंगी।

गाजे-बाजे के साथ स्थापित हुए गणपति

विश्व नाथ त्रिपाठी समाज जागरण प्रतापगढ़

वैसे तो भारतीय संस्कृत में गणेश जी देवताओं में प्रथम पूज्य मानने गये हैं इसी मायना के तहत हिंदुओं का प्रयोग धार्मिक अनुष्ठान में विभागीय भगवान गणेश की पूजा सबसे पहले की जाती है। प्रत्येक मास में लोग चतुर्थी तिथि को गणेश जी का ब्रत वृपूजन करते हैं लेकिन विशेष मानवानों के कारण भादों मास में खुलत्वपक्ष की चतुर्थी का विशेष महत्व बताया गया है इसी महत्व के कारण ११ दिवसीय भजन पूजन

के साथ गणेशत्वक का भजन पूजन मूर्ति स्थापना के साथ पूर्वे जनपद में गांजे वाले के साथ प्रमुख को स्थापित किया गया। सभी वाजार व गांव के विभिन्न स्थानों पर मूर्तियां रखी लोगों ने जोर-जोर से गणेशत्वपक्ष वर्षा की मारी करते हैं। नशे की लत के कारण अपाराधिक के दलवाल में फंस रहे चुवा।

नशे की लत पिला करने एवं युवा आपाराधिक घटनाओं को अंजामदाने लगते हैं जिसके कारण क्षेत्र में लूट, डिनीति, टप्पेबाजी और चोरी की घटनाएं भी बढ़ रही हैं।

*सुनों की मानों तो नशे के सौदागर पुलिस को देते हैं मोटी रकम। सिपाही से लेकर हल्का दरोगा तक सब मैनेज हो जाते हैं वहीं पुलिस ऐसे ही अपाराधियों को बढ़ावा देती रही तो समाज में जारीय की अधिकता ही नजर आएंगी।

गाजे-बाजे के साथ स्थापित हुए गणपति

विश्व नाथ त्रिपाठी समाज जागरण प्रतापगढ़

वैसे तो भारतीय संस्कृत में गणेश जी देवताओं में प्रथम पूज्य मानने गये हैं इसी मायना के तहत हिंदुओं का प्रयोग धार्मिक अनुष्ठान में विभागीय

भगवान गणेश की पूजा सबसे पहले की जाती है। प्रत्येक मास में लोग चतुर्थी तिथि को गणेश जी का ब्रत वृपूजन करते हैं लेकिन विशेष मानवानों के कारण भादों मास में खुलत्वपक्ष की चतुर्थी का विशेष महत्व बताया गया है इसी महत्व के कारण ११ दिवसीय भजन पूजन

के साथ गणेशत्वक का भजन पूजन मूर्ति स्थापना के साथ पूर्वे जनपद में गांजे वाले के साथ प्रमुख को स्थापित किया गया। सभी वाजार व गांव के विभिन्न स्थानों पर मूर्तियां रखी लोगों ने जोर-जोर से गणेशत्वपक्ष वर्षा की मारी करते हैं। नशे की लत के कारण अपाराधिक के दलवाल में फंस रहे चुवा।

*नशे की लत पिला करने एवं युवा आपाराधिक घटनाओं को अंजामदाने लगते हैं जिसके कारण क्षेत्र में लूट, डिनीति, टप्पेबाजी और चोरी की घटनाएं भी बढ़ रही हैं।

*सुनों की मानों तो नशे के सौदागर पुलिस को देते हैं मोटी रकम। सिपाही से लेकर हल्का दरोगा तक सब मैनेज हो जाते हैं वहीं पुलिस ऐसे ही अपाराधियों को बढ़ावा देती रही तो समाज में जारीय की अधिकता ही नजर आएंगी।

समझौता कराने गए प्रधान से मारपीट, धमकी

समाज जागरण प्रमोट साहू बिहार प्रतापगढ़

समझौता कराने गए ग्राम प्रधान पर दबंग हथलावर हो गए। मारपीट करने के साथ ही जातिसंघक गलियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की तरह पर एवं पुलिस जांच कर रही है नवाचार जांच जांच के रेखानी प्रधान अमेठी उपर कोरोना 19 वर्ष को रेलवे क्राइसिंग के पास से समय करीब 10:15 बजे दिन में गिरपता किया गया। थाना जगदीशपुर द्वारा विशेष कार्यवाही की जा रही है।

समझौता कराने गए प्रधान से मारपीट, धमकी

समाज जागरण प्रमोट साहू बिहार प्रतापगढ़

समझौता कराने गए ग्राम प्रधान पर दबंग हथलावर हो गए। मारपीट करने के साथ ही जातिसंघक गलियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की तरह पर एवं पुलिस जांच कर रही है नवाचार जांच जांच के रेखानी प्रधान अमेठी उपर कोरोना 19 वर्ष को रेलवे क्राइसिंग के पास से समय करीब 10:15 बजे दिन में गिरपता किया गया। थाना जगदीशपुर द्वारा विशेष कार्यवाही की जा रही है।

समझौता कराने गए प्रधान से मारपीट, धमकी

समाज जागरण प्रमोट साहू बिहार प्रतापगढ़

समझौता कराने गए ग्राम प्रधान पर दबंग हथलावर हो गए। मारपीट करने के साथ ही जातिसंघक गलियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की तरह पर एवं पुलिस जांच कर रही है नवाचार जांच जांच के रेखानी प्रधान अमेठी उपर कोरोना 19 वर्ष को रेलवे क्राइसिंग के पास से समय करीब 10:15 बजे दिन में गिरपता किया गया। थाना जगदीशपुर द्वारा विशेष कार्यवाही की जा रही है।

समझौता कराने गए प्रधान से मारपीट, धमकी

समाज जागरण प्रमोट साह

